

में तुम्हे कभी तो पाऊँगी

में तुम्हे कभी तो पाऊँगी,
मेरे जन्मों के साथी सजन।

पग नूपुरों की झंकारों से,
भावों भरे मधुर इशारों से,
साँसों के पंखों से उड़ कर,
तारों तक खोज लगाऊँगी।

योगन का वेष बना कर के,
इस जग से आँख बचा कर के,
मन के इक तारे पर साजन,
में गीत विरह के गाऊँगी।

तुम छिप ना राधा के मन में,
मधुवन की रंगीली कुंजन में,
में बन कर ललिता की वीणा,
थिकों पर तुम्हे नचाऊँगी।

आशा लागी मिलन की,
मेरे जनम जनम के मीत,
अपने मोहन लाल सों,
छन छन बाड़े प्रीत,
लगे जग खारा खारा,
लगी खोजने कुञ्ज कुञ्ज,
अब नैनं बहे धरा,
मेरा हृदय बनादो, सरस छबीले
हरी बंधाओ धीर,
मिलन की लागी आशा

मार्ग खाड़ी श्याम जी,
प्यारे तेरी निहारुं बाट
आजाओ बांकी पिया,
मेरे प्राण आधार
नयन की सवर्निम आशा
समझे तुम बिन कौन,
विरह की बिखरी आशा
आजाओ बांके पिया,
भक्त मन चोर कन्हिया
डूब रही मझदार में, मेरी पुरानी नैया
मन के राजा आ मेरे सगरे बंधन काट,
मार्ग खाड़ी श्याम जी, तेरी निहारुं बाट।

आ श्याम सलोने मधुसूधन,
मन चोर मुरारी मधुसूधन,
एक प्रेम डोर बाँध हरी,
मन मंदिर में बिठलाऊंगी।

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/403/title/main-tumhe-kabhi-kabhi-to-paaungi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |